भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 686
उत्तर देने की तारीख 01 दिसम्बर, 2021

बीएसएनएल टॉवरों की कमी

686. श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:

क्या **संचार मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को कर्नाटक के हासन जिले में विशेषकर अलूर और सकलेशपुर प्रखंडों के पहाड़ी और वन-क्षेत्रों में बीएसएनएल टावरों की कमी और नेटवर्क संबंधी समस्याओं की जानकारी है, जिससे जनता को असुविधा हो रही है और सरकारी कार्यालयों का कामकाज प्रभावित हो रही है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस समस्या के समाधान के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं या उठाए जा रहे हैं; और
(ग) हासन जिले के लिए अनुमोदित तथा स्वीकृत बीएसएनएल टावरों का ब्यौरा क्या है और इस हेतु कितनी धनराशि स्वीकृत तथा उपयोग की गई है?

उत्तर

संचार राज्य मंत्री
(श्री देवुसिंह चौहान)

(क) और (ख): बीएसएनएल ने जानकारी दी है कि यह कर्नाटक के हसन जिले सहित अपने कार्य क्षेत्र में तकनीकी-वाणिज्यिक महत्व को ध्यान में रखते हुए मोबाइल नेटवर्क को सुदृढ़ करता है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) तिमाही निष्पादन निगरानी रिपोर्टों (पीएमआर) के माध्यम से और समय-समय पर जारी किए सेवा गुणवत्ता (क्यूओएस) विनियमों के द्वारा ट्राई द्वारा निर्धारित किए गए विभिन्न पैरामीटरों के बैंचमार्क के आधार पर दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) के कार्य-निष्पादन की निगरानी करता है। बीएसएनएल जून, 2020 से जून 2021 को समाप्त तिमाही की निष्पादन निगरानी रिपोर्टों (पीएमआर) के अनुसार कर्नाटक में अपनी सेल्यूलर और बेसिक सेवाओं के सभी सेवा गुणवत्ता पैरामीटरों को पूरा कर रहा है।

(ग) हसन जिले में पुनर्नियोजन के माध्यम से लगाए गए 3जी टावरों की कुल संख्या 33 है। इस प्रयोजन के लिए 39,20,600 रूपए के कुल स्वीकृत बजट में से 27,80,588 रूपए का उपयोग किया गया है।

*****